International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

छतरपुर जिले मे जल की समस्याएं

शोभित कुमार निगम

शोधार्थी, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर डॉ कृष्णा शुक्ला, निर्देशक महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर

शोध सारांश

जल एक आधारभूत प्राकृतिक स्त्रोत है जो बहुत महत्वपूर्ण है शुद्ध जल के बिना कुछ भी संभव नहीं है यहां तक की जल के बिना जीवन की संभावना भी नहीं की जा सकती है पृथ्वी पर जल है तो ही मानव, पेड़ पौधे, वनस्पति, की कल्पना की जा सकती है इसके बिना कुछ भी संभव नहीं है हमारी पृथ्वी में 71% भाग में जल है और 29% भाग में लगभग पृथ्वी है दो तिहाई भाग में जल होने के बावजूद भी मात्र 2.5% जल उपयोगी और पेययुक्त है बाकी जो समुद्री जल है उसका हम उपयोग नहीं कर सकते हैं क्योंकि उसमें नमक की मात्रा बहुत ज्यादा है और पृथ्वी पर कृषि उद्योग सभी चीज जल पर ही निर्भर हैं इसलिए जल बहुत महत्वपूर्ण हैं यदि पृथ्वी के जिस भाग मे जल की कमी है अर्थात जल की समस्या है और वर्षा कम मात्रा में होती है या जल प्रबंधन की सुविधा नहीं है और वहां जल संरक्षण नहीं किया जाता है या वहां का जल स्तर बहुत कम है तो यह वहां की बहुत बड़ी समस्या है क्योंकि जल के बिना कितनी भी अच्छे उन्नत बीज का उपयोग किया जाए और कितनी भी अच्छी मृदा हो परंतु बिना जल के उन्नत कृषि नहीं की जा सकती और ना ही अच्छी पैदावार की जा सकती है तो इसी प्रकार छतरपुर जिले में जल की समस्या एक गंभीर समस्या बनी हुई है जिसके बिना छतरपुर जिले के बहुत बड़े भाग में ना तो अच्छी कृषि होती है और ना ही वहां पर उद्योग है यहा पर उद्योगों का बहुत अभाव है और न ही वहां पर अच्छे से लोगों का समुचित विकास हो पा रहा है।

“जिस प्रकार हमारे शरीर में भोजन का संचार जल के द्वारा संभव है इस प्रकार पृथ्वी पर उन्नत फसल उद्योग आदि जल द्वारा ही संभव है”

हम देख सकते हैं की पृथ्वी पर जिस भाग में जल की सुविधा नहीं है उस भाग में विकास संभव नहीं है इसलिए हमें अपने राष्ट्र के विकास के लिए जल की समुचित व्यवस्था करना चाहिए और जल का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए और भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण भारत के सभी जगह-जगह पर जल प्रबंधन किया जाए और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जल प्रबंधन के लिये जागरूक किया जाए

किसानों को जल प्रबंधन के लाभ बताए जाए और यहा पर जल प्रबंधन न होने के कारण यहां पर जल नदियों नालों के माध्यम से बह जाता है और क्षेत्र सूखाग्रस्त हो जाते हैं इसलिए बड़े-बड़े बांध बनाए जाएं जिससे भारत के सभी जगह पर वर्षा जल को रोक कर उसका प्रबंधन किया जाए और समुचित उपयोग किया जाए और इन्हीं बांधों और नदियों से जोड़कर नहरे बनाई जाए जिससे नहरों के द्वारा गांव-गांव कृषि और प्रयुक्त जल पहुंचाया जाए क्योंकि भारत के कई जगहों पर वर्ष भर पानी की समस्या बनी रहती है जिससे जल प्रबंधन और नहरीकरण के द्वारा इस समस्या से निदान मिल सकता है और गांव,शहरों,खेतों या खाली जमीन पर जगह-जगह पर जल संचयन की व्यवस्था की जाए जिससे वर्षा जल और अनुपयुक्त जल का जल संचयन के द्वारा धरती के अंदर भेजा जाए जिससे उस जगह के जल स्तर में भी धीरे-धीरे सुधार होगा और जल का दुरुपयोग भी नहीं होगा जिससे हमारे छतरपुर जिले में जल प्रबंधन, जल संचयन नहरीकरण की सुविधा न होने के कारण यहां पर वर्ष भर जल की समस्या बनी रहती है और यह क्षेत्र सूखाग्रस्त रहता है वर्षा ऋतु में जल प्रबंधन ना होने से बाढ़ आ जाती है और ग्रीष्म ऋतु में यहां पर सूखे की समस्या बन जाती है इसलिए यहां पर इन सब की व्यवस्था की जाए।

प्रस्तावना

जल एक प्राकृतिक नवीनीकरण स्रोत है जल के बिना जीवन संभव नहीं है जब तक पृथ्वी में जल नहीं था तब तक पृथ्वी पर जीवन नहीं था इसलिए जल के बिना जीवन संभव है

“जल ही जीवन है”

छतरपुर जिले में जल स्तर बहुत कम है क्योंकि यह पठारी भाग है और यहां सभी जगह छोटे-छोटे पहाड़ हैं जिससे यहां पर पृथ्वी के नीचे चट्टान ही चट्टान है और पर्वतों के उद्गम से यहां के निचले स्तर पर कठोर पत्थर है यहां पर कहीं पर लाल पत्थर है कहीं पर बलुआ पत्थर है और कहीं पर काला कठोर पत्थर है इसलिए यहां का जल स्तर बहुत कम है इसलिए यहां पर जल प्रबंधन की सुविधा की जाए वर्षा जल को संरक्षित करके इकट्ठा करके समुचित उपयोग किया जाए और बांध का निर्माण करके बांध से नहरों को जोड़कर सभी जगह पानी उपलब्ध कराया जाए यहां पर छतरपुर, गढ़ी मलहरा, नौगांव, चंदला और लवकुशनगर,बिजावर, गौरिहार,सरवई आदि सभी जगह पर जल की सुविधा की जाए।

शोध के उद्देश्य

(1) जल प्रबंधन की व्यवस्था करना।

(2) जल संचयन की व्यवस्था करना।

(3) नहरीकरण से प्रत्येक गांव को जोड़ना।

(4) प्रत्येक गांव में घर-घर तक जल की सुविधा उपलब्ध कराना।

शोध परिकल्पना

(1) जल प्रबंधन की सुविधा सब जगह उपलब्ध नहीं है।

(2) सभी जगह जल संचयन का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

(3) नहरीकरण की सुविधा सभी जगह प्रत्येक गांव तक उपलब्ध नहीं है।

(4) प्रत्येक गांव में घर-घर तक नल की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष निरीक्षण विधि, साक्षात्कार विधि, प्रश्नावली विधि, के द्वारा आंकड़े एकत्र किए गए हैं।

छतरपुर जिले मे जल संसाधन

1950-1960	1960-1970	1970-1980	1980-2000	2000-2025
नदियां	**पक्के कुएं**	**कुआं**	**कुआं**	**बोरबेल**
कच्चे कुएं	**तालाब**	**तालाब**	**नदियां**	**टयूबेल**
बावड़ी	**नदियां**	**नदियां**	**नहरे**	**बराज**
तालाब	**बांध**	**बांध**	**टयूबेल**	**समरसिबेल**
	बावड़ी	**पंप**	**बांध**	**तालाब का गहरीकरण स्प्रिंगपाइप,नहर ,कुआं आदि ।**

जलप्रबंधन

छतरपुर जिले में जल प्रबंधन की व्यवस्था की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है छतरपुर जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 8687 वर्ग किलोमीटर है छतरपुर जिले में बांध की संख्या बहुत कम है यहां पर छोटे -2 तालाबों की संख्या बहुत अधिक है जो जल प्रबंधन के लिए बनाए गए लगभग प्रत्येक गांव में एक या दो तालाब और दो से अधिक तालाब भी उपलब्ध है जिनका उपयोग जल प्रबंधन के लिए किया जाता है परंतु वर्षा की कमी के कारण वह भी शुष्क हो जाते हैं और बिना बांध और बारिश के ज्यादा

मात्रा में जल प्रबंधन नहीं किया जा सकता छतरपुर जिले मे जलप्रबंधन के लिये ब्रहद 3 परियोजनाए उपलब्ध है और 3 मध्यम परियोजनाए तथा लगभग 108 लघु परियोजनाए उपलब्ध है जो छोटे 2 तालाब,बंधी मे जल एकत्र किया जाता है परंतु ब्रहद और मध्यम संसाधन बहुत कम मात्रा मे उपलब्ध है जिनमे जल एकत्र कर सिंचाई की जाय इसलिए छतरपुर जिले मे बड़े बड़े बांध बनाए जाए जहा पर अधिक से अधिक वर्षा जल का प्रबंधन किया जा सके और उसका समुचित उपयोग किया जा सके।

छतरपुर जिले मे जल प्रबंधन के संसाधन के आँकड़े

स.क्र.	योजना का नाम	विकास खंड	2021-22 मे वास्तविक सिंचाई हेक्ट. मे	2022-23 मे वास्तविक सिंचाई हेक्ट. मे	2023-24 मे वास्तविक सिंचाई हेक्ट. मे
1	रनगवां नहर परि.	राजनगर	3314	6100	4800
2	ऊर्मिल नहर परि.	नौगाँव	5033	7000	4800
3	बरियारपुर नहर परि.	राजनगर	25391	24650	12000
योग			33738.00	37750.00	21600.00
मध्यम परियोजना					
1	बेनीसागर बांध	राजनगर	3263	3900	3765
2	तरपेड़ बांध	ईशानगर	4000	3550	4000
3	सिंहपुर बराज	नौगाँव	6198	8910	6600
योग			13461	16360	14365

जल संचयन

आज के समय में लोग भूमिगत जल का दोहन कर रहे हैं उसका संचयन नहीं कर रहे कुआं बोरवेल ट्यूबवेल आदि से धरती से पानी निकाला जा रहा है परंतु छतरपुर जिले में जल संचयन पर ध्यान न होने के कारण भूमिगत जलस्तर बहुत नीचे गिर चुका है छतरपुर जिले में नहरीकरण की पर्याप्त सुविधा न होने के कारण किसान बोरवेल ज्यादा मात्रा में करवा रहे हैं और यहां पर बोरवेल से पानी के ज्यादा खिंचाव से कुआं सूख गए हैं पुराने हैंडपंप भी सूख गए हैं तालाब सूख जाते हैं क्योंकि यहां का जलस्तर

काफी नीचे पहुंच गया है और बुंदेलखंड का यह पथरीला क्षेत्र सूखा का शिकार बना रहता है जिससे यहां पर उन्नत कृषि नहीं की जा सकती है।

छतरपुर जिले का भूमिगत जलस्तर के दिन प्रतिदिन गिरावट के आँकड़े

वर्ष	1950 - 1965	1966-1980	1981-1995	1996-2010	2011-2020	2021-2025
गहराई फिट मे लगभग	20-30	50-60	70-100	110-140	150-250	250-350
जलसंसाधन	बावड़ी, खुले कच्चे कुएं,नदी, तालाब	पक्के कुएं, नदी, तालाब छोटे सकरे कुएं,बांध	नहरे, तालाब, सकरे कुएं,बड़े कुएं, बांध नहरे ,तालाब,बंधी	बंधी,तालाब, कुएं,बांध,बोरबेल,टयूबेल	बोरबेल,नहरे ,पाइपलाइन, टंकियाँ,बांध	बोरबेल, पाइपलाइन, नदी बांध,बराज, नहर टयूबेल

छतरपुर जिले में 1970 से 1980 के समय भूमिगत जल स्तर अच्छा होने से लोग 20 से 30 फीट गहरा कुआं खोदकर सिंचाई और पीने के लिए जल का उपयोग करते थे परंतु धीरे-धीरे भूमिगत जल के अत्यधिक दोहन तथा जल संचयन न होने के कारण आज कुआ तालाब अधिकांश मात्रा में सूख चुके है जिनका उपयोग लोग कूड़ा डालने के लिए करते हैं और अब छतरपुर जिले का भूमिगत जल स्तर अधिकतम ढाई सौ से 300 फीट नीचे पहुंच गया है और यह बुंदेलखंड का पथरीला क्षेत्र होने से कहीं-कहीं पर तो जल मिलता ही नहीं है और यहां का औसत भूमिगत जलस्तर 150 से 200 फिट है इसलिए यहां के किसानों को जल संचयन की तरफ ध्यान देना चाहिए क्योंकि यदि जल संचार नहीं हुआ तो एक समय यहां का भूमिगत जल स्तर बहुत नीचे चला जाएगा और यहां पर कृषि और सिंचाई के लिये जल की गंभीर समस्या होगी और एक-एक किसान के पास एक से अधिक बोरवेल है इसलिए यहां पर प्रत्येक बोरवेल के चारों तरफ जल संचयन की व्यवस्था की जाए जिससे बरसात का पानी उसमें पहुंच सके और बांध बनाए जाए नेहरो की पर्याप्त सुविधा की जाए जिससे भूमिगत जल का

अधिक दोहन ना हो यहां पर प्रत्येक व्यक्ति को अपने घरों खेतों और खाली जमीन में जल संचयन की व्यवस्था करनी चाहिए जिससे भूमिगत जल स्तर सामान्य बना रहे

नहरीकरण

छतरपुर जिले में 13 तहसील और 1210 ग्राम जिसका क्षेत्रफल 108635 वर्ग किलोमीटर है छतरपुर जिले में सभी गांव में पर्याप्त रूप से नहरीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं है कुछ गांव अभी भी नहरीकरण की सुविधा से अछूते हैं छतरपुर जिले की लवकुश नगर, चंदला, गौरिहार, बिजावर, तहसील के अभी भी काफी गांव में नहरीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं है इसलिए यहां पर नहरीकरण की व्यवस्था की जाए जिससे किसान बोरवेल आदि से धरती के जल का अत्यधिक दोहन नहीं करेंगे इतने बड़े छतरपुर जिले मे मात्र तीन नहर परियोजनाए उपलब्ध है रनगवा नहर परियोजना जो राजनगर क्षेत्र मे है और ऊर्मिल नहर परियोजना जो नौगाँव क्षेत्र मे उपलब्ध है और बरियापुर नहर परियोजना जो राजनगर क्षेत्र मे उपलब्ध है जो लवकुशनगर और चँदला के कुछ भाग तक जल उपलब्ध करवाती है परंतु लवकुशनगर और चँदला क्षेत्र का इतना बड़े भूखंड के लिये कोई नहर परियोजना उपलब्ध नहीं है जिससे यहा का अधिकांश क्षेत्र सूखाग्रस्त और असिंचित है और यहा पर लघु परियोजनाए भी है तालाब और बंधी परंतु वह वार्षिक नहीं है वह अधिकांश गर्मियों के समय सूख जाते है जिससे मवेशियों को भी पीने के लिये जल की समस्या होती है।

छतरपुर जिले मे बड़े बांध एवं नहरों से सिंचित क्षेत्र के आँकड़े

				वर्ष 2021-22	वर्ष 2022-23		वर्ष 2023-24		
स. क्र.	योजना का नाम ब्रहद	विकास खंड	जीवित जल भराव मि.घ. मी.	वास्तविक सिंचाई हे. मे	रबी की सिंचाई का लक्ष्य हे. मे	वास्तविक रबी सिंचाई हे. मे	25-09-2023 की स्थिति मे उपयोगी जल मात्रा मि.घ.मी.	जीवित जल भराव का %	वर्ष 2023-24 मे रबी सिंचाई का लक्ष्य हे.
1	रनगवां नहर परि.	राजनगर	155.08	3314	6500	6100	61.690	40%	4800

2	ऊर्मिल नहर परि.	नौगाँव	113.92	5033	7000	7000	30.410	27%	4800
3	बरियारपुर नहर परि.	राजनगर	131.08	25391	21900	24650	26.600	20%	12000
	योग		400.08	33738.00	35400	37750	118.70	87%	21600.00
	मध्यम								
1	बेनीसागर बांध	राजनगर	26.22	3263	3765	3900	13.29	51%	3765
2	तरपेड़ बांध	ईशानगर	37.56	4000	4000	3550	21.87	58%	4000
3	सिंहपुर बराज	नौगाँव	45.32	6198	8910	8910	25.69	57%	6600
	योग		109.10	13461	16675	16360	60.85	56%	14365

हर घर तक जल की उपलब्धता

भारत देश में जल की प्राकृतिक उपलब्धता प्रत्येक जगह अलग-अलग है कहीं पर अधिक है तो कहीं पर कम है इसी प्रकार मध्य प्रदेश में भी कहीं पर पर्याप्त जल है तो कहीं पर जल बहुत कम मात्रा में उपलब्ध है मध्य प्रदेश के उत्तर पूर्वी जिलों में अभी भी पानी के लिए जल दूसरी जगह से भरकर लाना पड़ता है और केंद्र सरकार ने हर घर नल योजना जल जीवन मिशन के तहत चलाई है जिससे देश के प्रत्येक गांव में पीने के लिए घर तक जल पहुंचा जा सके और इस योजना का नाम है हर घर नल योजना छतरपुर जिले में 1210 गांव में अभी तक पूरी तरह यह योजना नहीं पहुंची छतरपुर जिले के चुरियारी गहबरा बहादुरपुर किशनपुर आदि गांव में अभी भी महिलाएं पीने और नहाने के लिए पानी भरने के लिए घर से बाहर जाती है क्योंकि यहां पर जल की समुचित व्यवस्था नहीं इस योजना के तहत कुल घर 248900 है जिसमें पानी की पहुंच 102027 घरों तक ही पहुंच पाया है जो 41.13% है पहले केंद्र सरकार ने 2030 तक देश के प्रत्येक घर में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा था परंतु अभी भी इसका कार्य बहुत ही धीमी गति से चल रहा है क्योंकि लगभग 60% लोगों के घरों तक अभी भी जल की सुविधा उपलब्ध नहीं हुई है

छतरपुर जिले मे ब्लॉकवार हर-घर-नल योजना की प्रगति जनवरी -2025

स. क्र.	ब्लॉक का नाम	शामिल गाँव की संख्या	स्वीकृति टंकियाँ	निर्माणा धीन टंकियाँ	पाइपलाइन का कार्य प्रगति गाँव की संख्या	कार्य शुरू नहीं हुए गाँव	निर्माण शुरू नहीं हुई टंकियाँ	लागत करोड़ मे
1	छतरपुर	143	74	37	95	-	37	280
2	नौगाँव	118	64	32	48	-	32	196
3	राजनगर	131	66	34	80	-	32	254.36
4	लवकुशनगर और चँदला	278	101	57	132	-	44	492
5	बिजावर	99	33	24	71	-	9	214
	योग	769	338	184	426	250	154	1436.36

इस योजना में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है राष्ट्रीय स्तर पर 29 फरवरी 2024 को इस योजना के तहत 14 करोड़ 42 लाख 26 हजार 979 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं जिसमें गोवा जैसे राज्य 100% कवरेज प्राप्त कर चुके हैं जुलाई 2024 तक मध्य प्रदेश राज्य ने 71 लाख 5000 घरों में नल से जल उपलब्ध करा कर देश के अग्रणी राज्यों में स्थान प्राप्त कर लिया है जो लक्षण घरों का 63.54 परसेंट है यह समग्र प्रगति छतरपुर जिले की विशिष्ट स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती है

निष्कर्ष

छतरपुर जिले में जल की समस्याओं पर शोध करने पर यह निष्कर्ष निकला कि छतरपुर जिले में जल की समस्या एक बहुत बड़ी गंभीर समस्या जो इस जिले को विकास के दौर से रोक रही यहां पर बड़े-बड़े बांध की बहुत कमी है व्रत और मध्यम नहर परियोजनाओं की कमी है जिससे यहां पर जल प्रबंधन और जल संरक्षण न के बराबर होता है जिससे यहां का वर्षा जल बर्बाद हो जाता है इसलिए यह क्षेत्र प्रतिवर्ष सुख का शिकार बना रहता है यहां पर पर्याप्त मात्रा में कृषि भूमि होने के बावजूद भी पानी की

कमी के कारण अच्छी कृषि उपज संभव नहीं है इसलिए छतरपुर जिले में जल स्तर भी बहुत नीचे चला गया इसलिए यहां पर जल प्रबंधन तथा जल संरक्षण तथा जल संचयन की व्यवस्था के लिए किसानों को जागरूक किया जाए और जल संरक्षण जल प्रबंधन और जल संचयन की व्यवस्था की जाए जिससे जल एकत्र तथा सुरक्षित करके उसका समुचित उपयोग करके इस गंभीर समस्या से निदान प्राप्त किया जाए।

संदर्भ सूची

1. CGWB Report -2021
2. MPPCB Report- 1991
3. Chhatarpur.nic.in
4. जल संसाधन विभाग छतरपुर
5. जल जीवन मिशन पेयजल एवं स्वच्छता विभाग जल शक्ति मंत्रालय
6. Patrika.com/chhatarpur
7. Lokpahal.org/har-ghar-nal